भागो मत, जानो और जागो

आप सभी को परम पिता प्रभु की कृपा से यह मानव जीवन प्राप्त हुआ है। यह जीवन सार्थक आशीर्वाद है आपको प्रभु का। लेकिन मैंने देखा है, इस अमूल्य जीवन के अर्थ की तलाश में लाखों लोग भटक जाते हैं। भटकने पर वे दौड़ने लगते हैं, तेजी से भागने लगते हैं जबकि जरूरत भागने की नहीं जागने की होती है। जागना पड़ता है और जानना पड़ता है कि कोई है जो आपके बहुत करीब है और आप उसे पहचान नहीं पा रहे हैं। इस पहचान को जानने और समझने के लिए जरूरत पड़ती है सद्गुरु की। क्या करें, आज कल तो गुरु बहुत हो गए हैं, एक खोजने निकलो हजारों मिल जाते हैं। नहीं मिलता है तो वह है सद्गुरु। सद्गुरु को तलाशने की जरूरत नहीं पड़ती। संयोग और सौभाग्य आपको उन तक पहुंचा देता है।

आपको उन तक पहुंचने के लिए रास्ते नहीं बनाने पड़ते। रास्ते तो खुद ब खुद बनते चले जाते हैं। बस आपको चंद कदम आगे बढ़ाने होते हैं। आपके बढ़ाए ये कुछ पग ही आपको असीम शांति और परमानंद की अनुभूति करते हैं। यह अनुभव वैसा ही होता जैसे, एक शिशु को अपनी मां की गोद मिल जाए। जैसे किसी को तेज तपिश में पेड़ की छांव मिल जाए। सद्गुरु का ज्ञान और आशीर्वाद मोक्ष की राह दिखाता है। ज्ञान रूपी अमृत को जब मनुष्य ग्रहण करने लगता है तब स्वतः ही जीवन में नया प्रकाश फैलने लगता है। यह प्रकाश हर उस अंधेरे की काट होता है जो सदा उजाले को रोकने का प्रयास करता है। इस प्रकाश की ज्योति कभी धीमी नहीं पड़ती। इस लौ से मिटता है तो केवल और केवल अज्ञानता का अंधेरा। इस ज्ञान के दीपक की ज्योत से एक के बाद एक ज्योत जलती चली जाती हैं और सदियों दर सदियों लोगों को अंधकार से उजाले की ओर लाती रहती हैं। यह ज्योत ज्ञान देती है कि तुम कौन हो और किसी डगर पर तुम्हें जाना है। इस डगर का आखिरी छोर परमानंद पर है। मैंने भी अपने सद्गुरु देवा महाराज की कृपा से ही उस परमानंद का साक्षात किया है। जब मैंने सद्गुरु की असीम कृपा से ज्ञान रूपी अमृत का पान किया तो मेरा जीवन धन्य हो गया। हर इच्छा, हर भ्रम, हर भय व हर भ्रांति दूर हो गई। कोई सवाल नहीं था, करने को, न खुद से न किसी और से। हर सवाल का जवाब मिल चुका है। आप भी इन सवालों की भीड़ में मत उलझो, उठो और जानो इस जीवन के ध्येय को। जानो मुक्ति के मार्ग को। सद्गुरु का ज्ञान रूपी यह मार्ग ही सत्य है और सत्य ही शिव है और शिव ही सुंदर।

गुरु पूर्णिमा पर बच्चों को आशीर्वाद

श्रीशनिधाम ट्रस्ट की ओर से राजस्थान, पाली गुरुकुल आश्वासन बालग्राम, आलावास, पाली में अनाथ और गरीब बच्चों को निशुल्क शिक्षा दी जाती है । इस आश्रम में 1100 बच्चे पढ़ते हैं। इन बच्चों ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अपने गुरु और जीवन को संवारने वाले दाती महाराज को उनके जन्म दिवस पर गीत, संगीत और नृत्य के जरिए बधाई दी और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया । बच्चों ने उनके जीवन पर एक नृत्य नाटिका पेश की। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

इस पावन पर्व पर शनिधाम में सुबह से ही गुरुभक्तों का तांता लगा हुआ था। सभी अपने सद्गुरु महाराज की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर देश भर से भारी संख्या में श्रद्धालु गुरुभक्त शनिधाम पहुंचे। गुरु पूर्णिमा के साथ दाती जी महाराज के जन्मोत्सव पर आयोजित इस समारोह में सुंदर भजनों का भी आयोजन किया गया जिसमें राजस्थान के मशहूर कलाकार नेमचंद जूलिया व आश्वासन गुरुकुल के होनहार नन्हे कलाकार जगदीश राजस्थानी ने सुंदर भजनों की प्रस्तुति देकर सबको भाव-विभोर कर दिया। इस मौके पर दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विजेन्द्र कुमार गुप्ता ने अपने भाव प्रकट किए। उन्होंने कहा कि सदुरु ही शिष्य को सही रास्ता दिखाता है और दाती महाराज समाज का जो काम कर रहे हैं उससे बढ़कर दूसरी कोई सेवा हो नहीं सकती है।

असहाय व गरीब बच्चों को पढ़ा-लिखाकर सुदृढ़ समाज की जो नींव रख रहें हैं वह आगे जाकर मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने दाती महाराज के जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि आपका जीवन वास्तव में धन्य है हम आपको बार-बार नमन करते हैं।

इस अवसर पर ऑस्कर फर्नांडिज कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पाली के सांसद बधीराम जाखड़, उदयपुर के सांसद रघुवीर, पाली के पूर्व सांसद पुष्प जैन, तुगलकाबाद के विधायक रमेश विधूड़ी, दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति के अध्यक्ष योगेंद्र चंदोलिया, स्थायी समिति की उपाध्यक्षा सरिता चौधरी, पाली जिला के कलेक्टर नीरज के. पवन, पार्श्वनाथ डेवलपर्स चेयरमैन प्रदीप जैन, भोला डेयरी के चेयरमैन हरिशंकर अग्रवाल, ग्राफिक एडवरटाइजमेंट के चेयरमैन मुकेश गुप्ता, ईएमएस मीडिया के चेयरमैन सनत जैन ने भी अपने विचार प्रकट किए। इस मौके पर पार्श्वनाथ डेवलपर्स के चेयरमैन प्रदीप जैन ने बताया कि शनिधाम की तरफ से देशभर में चिकित्सा शिविर, गरीब बच्चों को अनाज व गरीब व अनाथ लड़कियों का विवाह कराया जाता है।

बस खुशियां बांटते हैं मेरे बाबा

गरीब और असहायों के मसीहा हैं दाती महाराज। वह सदा वंचितों की मदद के लिए तत्पर रहते हैं। उन्होंने सदा ऐसा लोगों की मदद के लिए अपने हाथ की दोनों मुट्ठी खोली हैं।

-**सुदर्शन सेठी** (प्रशासन सचिव, महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय राजस्थान)

दाती महाराज भगवान का स्वरूप हैं। उनके दरबार में किसी चीज की कोई कमी नहीं है। वह लेने में नहीं लोगों को देने में यकीन करते हैं। उन्होंने लोगों के आंसू पोंछकर सदा खुशियां लौटाई हैं। आज हजारों परिवार उनके बताए मार्ग पर चल रहे हैं।

-**बद्रीराम जाखड़** (सांसद पाली)